AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

जी–20 की भारत में आर्थिक भूमिका

ORIGINAL ARTICLE

Authors
डॉ. राम शंकर पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग

एवं

मुस्कान गुप्ता
(विद्यार्थी) एम.ए. अर्थशास्त्र
एस.एस. कॉलेज
शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश, भारत

शोध सार

जी–20 विश्व की प्रमुख 20 अर्थव्यवस्थाओं के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर का एक संगठन है जिसमें भारत, यू.एस.ए., चीन, यू.के, कनाडा, जर्मनी, तुर्की, रूस, जापान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्राजील, इटली, अर्जेंटीना, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया, मेक्सिको और सोवियत संघ शामिल है। इन देशों की वार्षिक बैठक होती है जिसमें आर्थिक विकास ग्लोबल वार्मिंग आतंकवाद गरीबी पर्यटन स्वास्थ्य शिक्षा एवं सतत विकास के लक्ष्य को बनाए रखने की बात होती है। यह देश दुनिया का 80 प्रतिशत आर्थिक उत्पादन होल्ड करते हैं। जी–20 की प्रत्येक देश के पास प्रतिवर्ष अध्यक्षता होती है, इस बार जी–20 की अध्यक्षता भारत के पास 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक है। भारत ने जी–20 में सन 1999 से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्व अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान पांचवे पायदान पर है जोकि जी–20 में महत्वपूर्ण स्थान है। भारत एक बढ़ती जीडीपी वाला देश है जो विश्व व्यापार निर्यात तथा वित्तीय विनिमय में अन्य देशों के साथ सहयोगी है। जी–20 में भारत की सक्रिय भूमिका है जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास न केवल अपना बल्कि अपने सहयोगी देशों का भी आर्थिक विकास कराना है भारत अपने सहयोगी देशों के साथ आर्थिक विकास में एक मित्र की भूमिका निभा रहा है जो कि हमें जी–20 की थीम से ही दृष्टिगत हो रहा है जिसमें भारत वसुधेव कुटुंबकम के माध्यम से यह बताता है कि वह सबके साथ विकास के लक्ष्य को पूरा करना चाहता है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि जी–20 में अनेक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है परंतु फिर भी भारत जी–20 के लक्ष्यों को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्य शब्द

डिजिटल अर्थव्यवस्था, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड, अर्थशास्त्री, जीडीपी, बसुधैव कुटुंबकम.

प्रस्तावना

वर्तमान में जी–20 की अध्यक्षता भारत के पास है। जी–20 की अध्यक्षता होने के साथ–साथ भारत अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पहले से ही प्रयास कर रहा है जिसमें अब जी–20 ने एक अलग राह दिखाई है। जी–20 के माध्यम से भारत की भूमिका विश्व में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाती है। जी–20 के तहत भारत का आर्थिक विकास तेजी से हो रहा है, भारत की पहचान दुनिया के अन्य देशों में एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में

हो रही है। भारत जी–20 में एक विकासशील राष्ट्र की भांति अपनी पहचान बनाए हैं जिसमें वह तकनीकी आर्थिक एवं सामाजिक रूप से अन्य देशों के साथ सहयोगी बना है।

जी–20 भारत की राष्ट्रीय आय बढ़ाने में तथा विकसित देशों के साथ सहयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जी–20 के उद्देश्य

जी–20 की भारत के पास अध्यक्षता के कारण भारत की अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक विकास में जी–20 के उद्देश्य महत्वपूर्ण हैं जो कि निम्नलिखित हैं:

1. खाद्य सुरक्षा एवं पोषण युक्त पदार्थ प्राप्त करना।
2. सतत् विकास के माध्यम से आर्थिक भूमिका के लक्ष्य को पूर्ण करना।
3. गरीबी एवं बेरोजगारी को दूर करने में आर्थिक भूमिका निभाना।
4. जलवायु परिवर्तन को रोकना।
5. मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक।
6. असमानता को दूर कर सबका साथ सबका विकास के माध्यम से आर्थिक विकास का उद्देश्य पूरा करना।

अध्ययन पद्धति

इस अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीय आकंडो का प्रयोग किया जाएगा तथा उनसे जो भी निष्कर्ष प्राप्त होगा उस पर विचार विमर्श किया जायगा। ये आंकडे संचार तकनीकी एवं अनेक पत्र पत्रिकाओं से प्राप्त होगे तथा आवश्यकता पड़ने पर सम्बधिंत व्यक्तियों से साक्षात्कार किया जाएगा।

जी–20 के सदस्य देशों और भारत के सामने आर्थिक लक्ष्य को प्राप्त करने में चुनौतियाँ:

- रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण न केवल भू–राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ रही है, बल्कि मुद्रास्फीति भी बढ़ रही है जिससे की अर्थव्यवस्था को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा हैं।
- अनेक पश्चिमी देशों द्वारा व्यापार, आयात–निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से अनेक देशों की अर्थव्यवस्था पिछड़ रही हैं।

भारत में जी–20 सम्मेलन के परिणाम:

- वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया गया है मुद्रा अस्थिरता पर ध्यान दिया गया है, जिसमें कोविड–19 से हुई अर्थव्यवस्था को हानि से निजात दिलाने का प्रयास किया जाएगा।
- खाद्य सुरक्षा जैसे चुनौतियों से निपटने के लिए ''ब्लैक सी ग्रेन पहल'' की सहायता ली गई हैं।
- स्वास्थ्य सम्बन्धी संगठन विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका को महत्व दिया गया तथा वैश्विक स्वास्थ्य को मजबूत बनाया जा रहा है।
- जी–20 के सदस्य देशों को चाहिए कि वह अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ आर्थिक जरुरतों को पूरा करने के लिए साझेदारी करें।
- वैश्विक सहयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- अंतर्राष्ट्रीय सदस्य राष्ट्रों को एक दूसरे के साथ चर्चा करनी चाहिए।

जी–20 सम्मेलन से भारत की वैश्विक छवि

जी–20 सम्मेलन के बाद एक मजबूत राष्ट्र के रुप में वैश्विक अर्थव्यवस्था में उभर के आयेगा। भारत यूक्रेन एवं रूस युद्व के लिए संवाद और कुटनीति के माध्यम से और आर्थिक सहायता प्रदान करके अपना योगदान दे रहा हैं।

भारत विश्व में एक सुलझे हुए अन्तर्राष्ट्रीय नेता के तौर पर सामने आया हैं। भारत एक मित्र राष्ट्र के समान अपनी छवि अन्य देशों से सामने बनाया हुआ जिससे न केवल वर्तमान में अपितु भविष्य में भी लाभ मिलेगा।

जी–20 ग्लोबल डिजिटल इकोनामी के आधार पर भारत की आर्थिक भूमिका– जी–20 की अध्यक्षता मिलने के बाद भारत एक डिजिटल इकोनामी के रूप में विश्व में अपनी छवि बना रहा है। भारत ई–आधार यूपीआई सर्विस नेट बैंकिंग आदि के माध्यम से दुनिया में डिजिटल मार्केटिंग से जुड़ रहा है।

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अर्थशास्त्री पियरे ओलिवर गोरिचेंस ने भारत के डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहे प्रयासों की तारीफ की है उन्होंने कहा है कि यह डिजिटलीकरण भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी पहल करने वाला सिद्ध होगा।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम भारत का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसमे भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी जो कि जी–20 के अध्यक्ष हैं उन्होने 1 जुलाई 2015 को शुरुआत की थी जिसको जी–20 की अध्यक्षता के बाद एक नई दिशा मिली है भारत अब डिजिटलीकरण इंटरनेट के माध्यम से अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार आयात निर्यात एवं लेनदेन कर रहा है जिससे कि भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की लहर को देखा जा रहा है। जी–20 के तहत एजेंडा के माध्यम से प्रत्येक तक डिजिटलीकरण को पहुंचाने व डिजिटल माध्यम से कार्यों को करने के लिए अनेक प्रयास भी किए जा रहे हैं।

जी–20 का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

जी–20 अन्य सभी 20 अर्थव्यवस्थाओं के साथ मिलकर भारत भी अपनी नीतियों एवं लक्ष्य को पूरा करने में मदद कर सकता है जिससे की विकास अधिक तेजी से संभव है भारत जी–20 के माध्यम से अन्य देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय व्यापारख् आर्थिक विकासख् बेरोजगारी को दूर करना तथा दूसरे देशों के साथ व्यापार में प्रतिस्पर्धा करने को तैयार है।

जी–20 का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा है। जी–20 ने भारत को अन्य मुख्य अर्थव्यवस्थाओं से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान किया है जिसमें कुछ मुख्य मुद्दों पर चर्चा की जा रही है जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था निवेश व्यापार आदि पर ध्यान दिया गया है जिसमें लगभग अनेक विदेशी कंपनियों ने निवेश किया है।

भारत ने जी–20 प्रेसीडेंसी के 990 करोड़ रुपये से अधिक का विनियोजन किया है, जिसमें ईरान के चाबहार बंदरगाह के लिए 100 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। इस प्रकार यू.के. ने भारत में सबसे अधिक निवेश जी–20 में किया हैं। भारत एक बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्था, जोकि तेजी से बढ़ रही है भारत जी–20 फोरम की अध्यक्षता संभाल रहा हैं।

उत्तर प्रदेश में जी–20 सम्मेलन का प्रभाव

जैसा कि हम जानते हैं कि जी–20 फोरम के तहत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं एक साथ कार्य करती है तथा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करती हैं एवं निवेश करती हैं, उसी के तहत भारत के उत्तर प्रदेश में इन्वेस्टर्स समिट के तहत यहां अनेक व्यापारियों ने निवेश किया हैं।

यूपीसीडी में अमेरिका, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और हांगकांग ने 90 हजार करोड़ रुपये निवेश के 12 एमओयू साइन हुए हैं जिससे इस इन्वेंसमेंट से लगभग 38 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

यूपीसीडी को 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को शामिल किया गया हैं जिसमें इस निवेश से 9 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। यूपीसीडी निवेश से बरेली में 34000 करोड़, आगरा में 39038, करोड गाजियाबाद में 92000 करोड़, हापुड़ में 23000 करोड़, प्रयागराज में 33703 करोड़, कानपुर में 70000 करोड और आयोध्या में 17000 करोड़ रुपये निवेश के लिए एमओयू साइन हुए हैं।

उत्तर प्रदेश की मैन्युफैक्चरिंग हेल्थकेयर, कृषि, लॉजिस्टिक, एजुकेशन और इंफ्रास्ट्राक्चर ने यहाँ न केवल देश बल्कि विदेशियों को भी इन्वेस्टमेंट के लिए आकर्षित किया हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बताया है कि 33.50 लाख करोड़ के निवेश प्राप्त हुए हैं। भारत के रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि ''अमृत भारत

स्टेशन'' के तहत उत्तर प्रदेश के 150 रेलवे स्टेशनों को विश्व स्तर का बनाया जा रहा हैं।

जनपद शाहजहाँपुर में जी–20 सम्मेलन का प्रभाव

उत्तर प्रदेश के जिला शाहजहाँपुर में यूएसए की कंपनी अस्टिन करोड़ों का निवेश कर रही हैं। कंपनी जो प्रोजेक्ट जिस पर यह इन्बेस्ट करना चहाती है उसका नाम ऑस्टीन स्मार्ट सिटी ऑफ नॉलेज हैं। इसका टोटल इन्वेस्टमेंट 58100 करोड़ का है जिससे 50 लाख लोगों को रोजगार भी मिलेगा। शाहजहाँपुर के डीएम उमेश प्रताप सिहं ने बताया है कि जनपद इन्वेस्टर्स समिट को प्रदेश में 9वॉ स्थान प्राप्त हुआ हैं जिसमें सबसे अधिक रोजगार की उम्मीद की आशा हैं। इस इन्वेस्टमेंट से नई सिटी विकसित होगी। यह कंपनियां पांच फेज में कार्य करेंगी।

नई सीमेंट फैक्ट्री चीनी मिल आदि की स्थापना की जा रही है जिसमें बड़े–बड़े उद्योगपति शामिल हैं, जो कि निर्विकल्प द्विवेदी 25 करोड़ आलोक मिश्रा 5 करोड़ वरूण शुक्ला 15 करोड़ देशराज भास्कर 10 करोड़, शिवम मौर्या 15 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार हैं। यहां लोग इन मिलों के साथ–साथ वेस्ट मैनेजमेंट रियल स्टेट, पर्यटन क्षेत्र और ग्रीन एनर्जी में भी निवेश करने जा रहे हैं।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश के जिला शाहजहाँपुर में जी–20 की इन्वेस्टमेंट समिट में 6652 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित किया हैं जिसका लक्ष्य युवाओं और जरूरतमंदों को रोजगार प्रदान करना है और जिला की अर्थव्यवस्था को विकसित करना हैं जिससे जीडीपी बढ़ेगी एवं विश्व भर में भारत की अच्छी छवि बनेगी।

निष्कर्ष

जी–20 में दो समान्तर ट्रैक वित्त एवं शेरपा ट्रैक होते है। जी–20 के माध्यम से भारत डिजटलीकरण की राह में एक और कदम आगे बढ़ रहा हैं। भारत गरीबी दूर करने, आर्थिक विकास खाद्य सुरक्षा, आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग, सतत् विकास आदि के लक्ष्यों की थीम बसुधैव कुटुम्बकम के माध्यम से सभी देशों के साथ पूरा कर रहा हैं।

जी–20 की अध्यक्षता से न केवल विश्व में भारत की छवि एक सुलझे हुए नेता के तरह सामने आएगी बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का भी विकास होगा। जी–20 के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भारत अपने सहयोगी देशों के साथ कदम से कदम मिला कर चल रहा है। अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए भी, भारत की आर्थिक व्यवस्था पर जी–20 के अनेक सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

सन्दर्भ सूची

1. भारतीय अर्थव्यवस्था– दत्त एवं सुन्दरम्
2. भारतीय अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक सर्वेक्षण– डॉ० एस.एन. लाल
3. The G20- Peter I. Hajnal
4. The Group of Twenty (G20)- Andrew F. Cooper Ramesh Thakur
5. The Roadmap to Indian Presidency- V. Srinivas.
6. The G20 Development Agenda- Parthasarathi Shome.
7. India in the G20- Manjeet kripalani.
8. The G20 And the future of international Economic Governance- Mike Callaghan& tristram Sainsbury.
9. G20 Governance for a globalized world- john J. kirton
10. Nic.in.shahjahanpur
11. योजना मासिक पत्रिका अप्रैल 2023
12. कुरूक्षेत्र मासिक पत्रिका मई 2023
13. दैनिक समाचार पत्र दैनिक जागरण बरेली मण्डल 15 दिसम्बर 2022
14. दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला बरेली मण्डल 20 दिसम्बर 2022
15. दैनिक समाचार पत्र हिन्दुस्तान बरेली मण्डल 28 दिसम्बर 2022

––==00==––